संपर्कवाणी

CHRIST JUNIOR COLLEGE
BENGALURU - 29

दिसंबर 2016, खंड 1, संस्करण 1

प्रधानाचार्य से...

इस विद्यालय में छात्रों को शिक्षा के साथ-साथ उनकी सभी कुशलताओं के विकास के लिए प्रेरित किया जाता हैं| इस भूमंडलीकरण के युग में अपने आप को समर्थ बनाने की दृष्टि से "प्रेरणा" मंच में कई स्पर्धात्मक कार्यक्रमों को आयोजित किया जाता है जिसमें उनकी कुशलता को पहचान कर उसे भविष्य के उपयोग के लिए तैयार करते हैं|

~ रेवरेंट फादर सेबस्टियन मथाई

हिंदी सप्ताह

हिंदी का सम्मान देश का सम्मान है| हमारी स्वतंत्रता वहाँ, हिंदी भाषा जहाँ है|

हिंदी भाषा का हमारे जीवन में बहत बड़ा महत्व है| लेकिन आज की आधुनिक दुनिया में हिंदी भाषा का महत्व लुप्त होते जा रहे हैं| हिंदी भाषा को भारत में वह स्थान नहीं मिल पा रहा है जो पहले के युगों में मिला था| कुछ इन्ही कारणों के वजह से भारतियों की सोच बदलनी होगी और उन्हें हिंदी भाषा से प्यार करना सिखाना होगा| हिंदी दिवस है हिंदी भाषा का उत्सव मनाने का दिवस| हमारे कॉलेज में भी हिंदी सप्ताह का आयोजन किया गया, जिसमें पूरे सप्ताह अलग-अलग प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं| वाद-विवाद, रचनात्मक लेखन, अंताक्षरी, आशुभाषण, आदि जैसी प्रतियोगिताएं उसमे शामिल थी| भाषा से जुड़े कई छोटे-छोटे खेलों का भी इंतज़ाम था| छात्रों को मज़े के साथ-साथ हिंदी भाषा को करीब से जानने का मौका मिला| हम इसे अपना सौभाग्य मानेंगे की हम इस कार्यक्रम का हिस्सा बन पाए| आशा है की आगे चलकर हिंदी सप्ताह की धूम पूरी ओर मचे ओर साथ-साथ और भी छात्र इसका महत्व जान सकें|

~मानसी गोयट

अरमानों की लहर

ज़िन्दगी में हम तब तक काबिल नहीं हो सकते जब तक हम हमारे साथ होते हुए गलत चीज़ों और अन्याय के खिलाफ आवाज़ न उठाएँ। हमें कामियाबी तब तक नहीं मिलेगी जब तक हम डर का सामना कर उसे ख़तम न कर लें। और इसी सन्देश को हमने अपनी कहानी ~ अरमानों की लहर ~ द्वारा लोगों को समझाना चाहा।

यह कहानी एक ऐसी लड़की की है जो ऐसे समाज में रहती थी जिसमें एक लड़की असमानता की शिकार होती है और किस तरह उसने अपने दोस्तों, मासी और उनके पति के मदद से समाज की बुराइयों का सामना कर उसका अंत किया। शिवानी , नवीन , धारा , चरित्रा, मनीष , तान्या , मालविका , दीक्षित , सुमन , अम्बर , मांसी , नमन कोठारी , नमन माधव , सूजल , अनुष , चंद्रप्रकाश , चिराग , प्रदीप , दिवेश , ग्रैमी , अंजली , सैजल , पूजा , आशीष इस कहानी के पात्र थे| सबने बहुत मेहनत की। आदमी खाने के बिना एक महीना जी सकता है , पानी के बिना एक हफ्ता जी सकता है , हवा के बिना एक मिनट जी सकता है , पर उम्मीद के बिना एक क्षण भी नहीं जी सकता। उम्मीद आदमी के अंदर एक जलती हुई चिराग जैसे है| उम्मीद का बहुत महत्तव है।

लहर, एक लड़की के लिए उसके दोस्त , अरमान और रूहानी , उसकी मासी शर्मीली और उनके पति प्रीत ही उसकी ज़िन्दगी के उम्मीद थे। हम सब ने इस चीज़ के लिए बहुत मेहनत की। हम सब ने काफी कुछ सीखा और सबसे बड़ी बात , हम सब ने बहुत मज़े किया और अनेक यादें बनाई|
अंत में मैं यही कहना चाहूँगा की हम सब नवीन सर और चंद्रशेखर सर के मदद के बिना कुछ भी नहीं कर पाते।हारना या जीतना मायने नहीं रखता , हम सबने अपनी तरफ से खूब मेहनत की , और हमारे लिए यही सबसे ख़ुशी की बात है। कुछ रोए , कुछ हँसे, कुछ सीखे , कुछ गुस्सा हुए , पर सबसे बड़ी बात यह है कि हमने ज़िन्दगी भर के लिए दोस्त बनाये।

~ दिवेश आर रामचंदानी

प्रेमचंद दिवस

प्रेमचंद जी हिंदी साहित्य के क्षेत्र में बहुत ही सुप्रसिद्ध लेखक रहे हैं| उनकी सभी कहानियाँ और लेख जीवन के बहुत नज़दीक रही हैं| उनके जीवन से हमें बहुत कुछ सीखने को मिलता है| और इसी को एक लक्ष्य बनाकर, हिंदी विभाग द्वारा संगठित, कॉलेज में प्रेमचंद दिवस के दिन, डॉ. विनय कुमार यादव जी ने प्रभावशाली भाषण दिया था| ऐसा लगा मानो की हम स्वयं प्रेमचंद जी के जीवन की सैर कर आये थे| उन्होंने प्रेमचंद जी के जीवनशैली पर प्रकाश डाला और उनकी महत्ता से रूबरू करवाया| उस एक घंटे में न जाने हमने कितना कुछ सीखा की ऐसा लगा जैसे हम प्रेमचंद जी को करीब से देख आये हों! इस कॉलेज के हम आभारी हैं जिन्होंने डॉ. विनय कुमार यादव को आमंत्रित किया और उनके कीमती वचनों से हमें प्रभावित किया|

~ मानसी गोयट

कवि सम्मेलन

१२ अगस्त २०१६ को क्राइस्ट जूनियर कॉलेज में कवी सम्मेलन समारोह आयोजित किया गया था| इस समारोह के मुख्य अतिथि थे प्रोफेसर रियाज़ खान जी, जो बी.एम.एस कॉलेज में प्रोफेसर हैं, और कुमारी शाफिया फरहीन जी, जो इसी कॉलेज की छात्रा थीं| दोनों अतिथियों को सम्मानित किया गया था| हमारे कॉलेज के शौक़ीन नव कवी-कवयित्रियों ने अपने कुछ कविता सुनाए| उनकी कल्पनाएं वात्सल्य से श्रृंगार की ओर थीं| सबको उनकी कविताएं बहुत पसंद आई| आज के नयी पीढ़ी में जहाँ किसी को मोबाइल से छुटकारा नहीं मिलता, वहाँ हमारे कॉलेज के छात्र-छात्राएँ अपने भावनाओं को समेटकर कविता सुना रहे हैं | इस साल पहली बार कवी सम्मेलन बड़े रूप में आयोजित किया गया था| आशा करते हैं कि आनेवाले सत्रों में भी इस परम्परा को निभाया जाए|

~ मनीष शर्मा

इंटर कॉलेज प्रतियोगिता के विजेता

मानसी गोयट

मानसी त्रिवेदी

हिमांषु सिंह

कॉलेज में आयोजित प्रतियोगिता के विजेता :

प्रतियोगिता	**पहला स्थान**	**दूसरा स्थान**	**तीसरा स्थान**
हिंदी आशुभाषण	मनीष शर्मा	मानसी त्रिवेदी	मेहुल कुमार
हिंदी वाद-विवाद	मानसी त्रिवेदी	रिया कंसल मानसी गोयट	नव्या टी
रचनात्मक लेखन	मानसी गोयट	फातिमा तस्कीन	सात्विक गुप्ता
हिंदी अंताक्षरी	प्रियंका वेणुगोपाल चारित्रा नायक	रिया कंसल रचना वी	मानसी गोयट जतिन काशवानी

छात्र संपादक:
शिवानी आर
मनीष शर्मा